B-3

L-19

⇒ Global Minimum Corporate Tax Rate

1- OECD / G-20 राष्ट्रों की एक परियोजना जो BEPS Inclusive framework Agreement का एक भाग है।

2- इसका मुख्य लक्ष्य डिजिटलीकरण से होने वाले Tax Avoidance को रोकना है।

3. यह निम्नलिखित दो स्तम्भों में विभाजित है-

Pillar-1 ⟶ वार्षिक कारोबार > € 20 billion

↓

अत्यधिक मुनाफों (Excessive Profits) पर कम से कम 25% CIT उस राष्ट्र को देना होगा जिसमें कंपनी operate कर रही है, भले ही उस राष्ट्र में उसका office नहीं है।

Pillar-2 ⟶ वार्षिक कारोबार > € 750 million

↓

कम से कम 15% का CIT देना होगा। यदि office वाले राष्ट्र में CIT कम है तो Home Country की सरकार Top-up tax rate लगाकर उसे प्रभावी रूप से 15% करेगी।

Note - Pillar-2 को सबसे पहले लागू किया जा रहा है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHANSIR

⇒ Wind Fall Tax -:

जुलाई २०२२ में भारत सरकार द्वारा कच्चे तेल का उत्पादन करने वाली घरेलू कंपनियों पर इसे आरोपित किया गया था।

यह एक प्रकार का प्रत्यक्ष कर होता है जो किसी बाह्य कारक के कारण होने वाले अप्रत्याशित लाभों को कम करने के लिए लगाया जाता है।

यह ध्यान देने योग्य है कि रूस-यूक्रेन विवाद की पृष्ठभूमि में कच्चे तेल की कीमतें अप्रत्याशित रूप से ऊँची हो गयी थीं।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

⇒ मुद्रा और बैंकिंग (Money & Banking)

→ मुद्रा (Money) - कोई भी ऐसी वस्तु जिसे लोग लेन-देन के लिए सामान्य रूप से स्वीकार करते हैं। मुद्रा कहलाती है।

इस प्रकार, सामान्य स्वीकार्यता मुद्रा का एक मुख्य गुण होता है।

वैधानिक मुद्रा (Legal Tender)

→ यह वह मुद्रा होती है जिसे ऋणों के निपटान के साथ-साथ अन्य सभी प्रकार के लेन-देनों के लिए स्वीकार करना वैधानिक रूप से आवश्यक होता है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

वैधानिक मुद्रा को चलन (Currency) भी कहा जा सकता है।

वैधानिक मुद्रा दो प्रकार की होती है।

1- Unlimited Legal Tender ⟶ Bank Notes

2- Limited Legal Tender ⟶ Coins

बैंक नोट्स को कितनी भी मात्रा में कानूनी रूप से स्वीकार करना पड़ता है, जबकि Coins एक सीमा तक ही (अनिवार्य रूप से) स्वीकार किये जा सकते हैं।

Note- यह ध्यान देने योग्य है कि 2011 के सिक्का अधिनियम के अनुसार 1 रुपये का नोट सिक्का माना जाता है।

⇒ मुद्रा के मुख्य कार्य

1- विनिमय का माध्यम।

2- मूल्य का एक भण्डार।

3- लेखांकन की एक इकाई।

⇒ मुद्रा की मांग

मुद्रा की मांग नकद (Cash) की मांग होती है। या किसी ऐसे प्रारूप की मांग होती है जो लेन-देन के लिए आसानी से काम आ सके। जैसे कि डिजिटल करेंन्सी आदि।

मुद्रा की मांग निम्नलिखित दो बातों पर निर्भर करती है—

1- आय का स्तर

2- ब्याज दर

मुद्रा की मांग और आय के मध्य सीधा संबंध होता है। अर्थात आय के बढ़ने पर मुद्रा की मांग बढ़ती है और आय कम होने पर मुद्रा की मांग भी कम हो जाती है।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES KHAN SIR

उपर्युक्त के विपरीत, मुद्रा की मांग और ब्याज दर में विपरीत संबंध होता है। अर्थात ब्याज दर के बढ़ने से मुद्रा की मांग कम हो जाती है और ब्याज दर के कम होने से मुद्रा की मांग बढ़ जाती है।

आय के किसी निश्चित स्तर पर मुद्रा की मांग को निम्न प्रकार दिखाया जा सकता है।

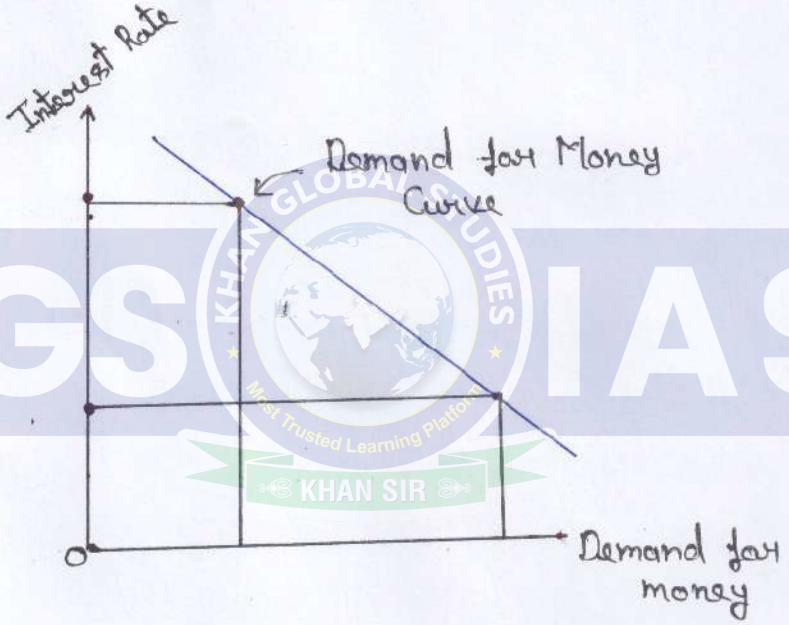

⇒ मुद्रा की आपूर्ति (Money Supply)

मुद्रा की आपूर्ति केन्द्रीय बैंक के द्वारा निर्धारित की जाती है। इसे निम्न प्रकार दिखाया जा सकता है।

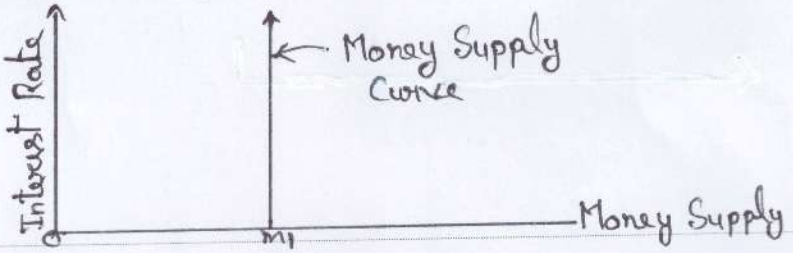

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR